

## रूत

### यहूदा में अकाल

**1** बहुत समय पहले, जब न्यायाधीशों का शासन था, तभी एक इतना बुरा समय आया कि लोगों के पास खाने के लिये पर्याप्त भोजन तक न रहा। एलीमेलेक नामक एक व्यक्ति ने तभी यहूदा के बेतलेहेम को छोड़ दिया। वह, अपनी पत्नी और दो पुत्रों के साथ मोआब के पहाड़ी प्रदेश में चला गया। 2 उसकी पत्नी का नाम नाओमी था और उसके पुत्रों के नाम महलोन और किल्योन थे। ये लोग यहूदा के बेतलेहेम के एप्राती परिवार से थे। इस परिवार ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश की यात्रा की और वहीं बस गये।

3 अतः, नाओमी का पति, एलीमेलेक मर गया। अतः केवल नाओमी और उसके दो पुत्र बचे रह गये। 4 उसके पुत्रों ने मोआब देश की स्त्रियों के साथ विवाह किया। एक की पत्नी का नाम ओर्पा और दूसरे की पत्नी का नाम रूत था। वे मोआब में लगभग दस वर्ष रहे, 5 फिर महलोन और किल्योन भी मर गये। अतः नाओमी अपने पति और पुत्रों के बिना अकेली हो गई।

### नाओमी अपने घर जाती है

6 जब नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश में रह रही थी तभी, उसने सुना कि यहोवा ने उसके लोगों की सहायता की है। उसने यहूदा में अपने लोगों को भोजन दिया है। इसलिए नाओमी ने मोआब के पहाड़ी प्रदेश को छोड़ने तथा अपने घर लौटने का निश्चय किया। उसकी पुत्र वधुओं ने भी उसके साथ जाने का निश्चय किया। 7 उन्होंने उस प्रदेश को छोड़ा जहाँ वे रहती थीं और यहूदा की ओर लौटना आरम्भ किया।

8 तब नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं से कहा, "तुम दोनों को अपने घर अपनी माताओं के पास लौट जाना चाहिए। तुम मेरे तथा मेरे पुत्रों के प्रति बहुत दयालु रही हो। सो मैं प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा तुम पर ऐसे ही दयालु हो। 9 मैं प्रार्थना करती हूँ कि यहोवा, पति और अच्छा घर पाने में तुम दोनों की सहायता करे।" नाओमी ने अपनी पुत्र वधुओं को प्यार किया और वे सभी रोने लगीं। 10 तब पुत्र वधुओं ने कहा, "किन्तु हम आप के साथ चलना चाहते हैं और आपके लोगों में जाना चाहते हैं।"

11 किन्तु नाओमी ने कहा, "नहीं, पुत्रियों, अपने घर लौट जाओ। तुम मेरे साथ किसलिए जाओगी? मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। मेरे पास अब कोई पुत्र नहीं जो तुम्हारा पति हो सके। 12 अपने घर लौट जाओ! मैं इतनी वृद्धा हूँ कि नया पति नहीं रख सकती। यहाँ तक कि यदि मैं पुनः विवाह करने की बात सोचूँ, तो भी मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकती। यदि मैं आज की रात ही गर्भवती हो जाऊँ और दो पुत्रों को उत्पन्न करूँ, तो भी इससे तुम्हें सहायता नहीं मिलेगी। 13 विवाह करने से पूर्व उनके युवक होने तक तुम्हें प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। मैं तुमसे पति की प्रतीक्षा इतने लम्बे समय तक नहीं करवाऊँगी। इससे मुझे बहुत दुःख होगा और मैं तो पहले से ही बहुत दुःखी हूँ। यहोवा ने मेरे साथ बहुत कुछ कर दिया है।"

14 अतः स्त्रियाँ पुनः बहुत अधिक रोयीं। तब ओर्पा ने नाओमी का चुम्बन लिया और वह चली गई। किन्तु रूत ने उसे बाहों में भर लिया और वहाँ ठहर गई।

15 नाओमी ने कहा, "देखो, तुम्हारी जेठानी अपने लोगों और अपने देवताओं में लौट गई। अतः तुम्हें भी वही करना चाहिए।"

16 किन्तु रूत ने कहा, "अपने को छोड़ने के लिये मुझे विवश मत करो! अपने लोगों में लौटने के लिये मुझे विवश मत करो। मुझे अपने साथ चलने दो। जहाँ कहीं तुम जाओगी, मैं जाऊँगी। जहाँ कहीं तुम सोओगी, मैं सोऊँगी। तुम्हारे लोग, मेरे लोग होंगे। तुम्हारा परमेश्वर, मेरा परमेश्वर होगा। 17 जहाँ तुम मरोगी, मैं भी वहीं मरूँगी और मैं वहीं दफनाई जाऊँगी। मैं यहोवा से याचना करती हूँ कि यदि मैं अपना वचन तोड़ूँ तो यहोवा मुझे दण्ड दे: केवल मृत्यु ही हम दोनों को अलग कर सकती है।"\*

### घर लौटना

18 नाओमी ने देखा कि रूत की उसके साथ चलने की प्रबल इच्छा है। इसलिए नाओमी ने उसके साथ बहस करना बन्द कर दिया। 19 फिर नाओमी और रूत

मैं ... अलग कर सकती है "यहोवा मेरा यह करे और इससे अधिक भी करे, जब तक मृत्यु हमें पृथक न करे!"

ने तब तक यात्रा की जब तक वे बेललेहेम नहीं पहुँच गई। जब दोनों स्त्रियाँ बेललेहेम पहुँचीं तो सभी लोग बहुत उत्तेजित हुए। उन्होंने कहना आरम्भ किया, “क्या यह नाओमी है?”

20 किन्तु नाओमी ने लोगों से कहा, “मुझे नाओमी मत कहो, मुझे मारा कहो। क्योंकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मेरे जीवन को बहुत दुःखी बना दिया है। 21 जब मैं गई थी, मेरे पास वे सभी चीज़ें थीं जिन्हें मैं चाहती थी। किन्तु अब, यहाँवा मुझे खाली हाथ घर लाया है। यहाँवा ने मुझे दुःखी बनाया है अतः मुझे ‘प्रसन्न’\* क्यों कहते हो? सर्वशक्तिमान परमेश्वर ने मुझे बहुत अधिक कष्ट दिया है।”

22 इस प्रकार नाओमी तथा उसकी पुत्रवधु रूत (मोआबी स्त्री) मोआब के पहाड़ी प्रदेश से लौटीं। ये दोनों स्त्रियाँ जौ की कटाई के समय यहूदा के बेललेहेम में आईं।

### रूत का बोअज़ से मिलना

2 बेललेहेम में एक धनी पुरुष रहता था। उसका नाम बोअज़ था। बोअज़ एलीमेलेक परिवार से नाओमी के निकट सम्बन्धियों में से एक था।

“एक दिन रूत ने (मोआबी स्त्री) नाओमी से कहा, “मैं सोचती हूँ कि मैं खेतों में जाऊँ। हो सकता है कि कोई ऐसा व्यक्ति मुझे मिले जो मुझ पर दया करके, मेरे लिए उस अन्न को इकट्ठा करने दे जिसे वह अपने खेत में छोड़ रहा हो।” 3 नाओमी ने कहा, “पुत्री, ठीक है, जाओ।”

अतः रूत खेतों में गई। वह फसल काटने वाले मजदूरों के पीछे चलती रही और उसने वह अन्न इकट्ठा किया जो छोड़ दिया गया था।\* ऐसा हुआ कि उस खेत का एक भाग एलीमेलेक परिवार के व्यक्ति बोअज़ का था। 4 बाद में, बेललेहेम से बोअज़ खेत में आया। बोअज़ ने अपने मजदूरों का हालचाल पूछा। उसने कहा, “यहाँवा तुम्हारे साथ हो।” मजदूरों ने उत्तर दिया, “यहाँवा आपको आशीर्वाद दे!”

5 तब बोअज़ ने अपने उस सेवक से बातें कीं, जो मजदूरों का निरीक्षक था। उसने पूछा, “वह लड़की किस की है?” 6 सेवक ने उत्तर दिया, “यह वही मोआबी स्त्री है जो मोआब के पहाड़ी प्रदेश से नाओमी के साथ आई है। 7 वह बहुत सवरे आई और मुझसे उसने पूछा कि क्या मैं मजदूरों के पीछे चल सकती हूँ और भूमि पर गिरे अन्न को इकट्ठा कर सकती हूँ और यह तब से काम कर रही है। उसका घर वहाँ है।”

प्रसन्न यह “नाओमी” नाम है।

इकट्ठा किया जो छोड़ दिया गया था यह नियम था कि किसान को फसल काटने के समय कुछ अन्न खेत में छोड़ना चाहिए। यह अन्न इसलिये छोड़ा जाता था कि गरीब लोग भोजन के लिये कुछ पा सकें। देखें लैव्य, 19:9; 23:22

8 तब बोअज़ ने रूत से कहा, “बेटी, सुनो। तुम अपने लिये अन्न इकट्ठा करने के लिये मेरे खेत में रहो। तुम्हें किसी अन्य व्यक्ति के खेत में जाने की आवश्यकता नहीं है। मेरी दासियों के पीछे चलती रहो। 9 यह ध्यान में रखो कि वे किस खेत में जा रही है और उनका अनुसरण करो। मैंने युवकों को चेतावनी दे दी है कि वे तुम्हें परेशान न करें। जब तुम्हें प्यास लगे, तो उसी घड़े से पानी पीओ जिससे मेरे आदमी पीते हैं।”

10 तब रूत प्रणाम करने नीचे धरती तक झुकी। उसने बोअज़ से कहा, “मुझे आश्चर्य है कि आपने मुझ पर ध्यान दिया! मैं एक अजनबी हूँ, किन्तु आपने मुझ पर बड़ी दया की।”

11 बोअज़ ने उसे उत्तर दिया, “मैं उन सारी सहायताओं को जानता हूँ जो तुमने अपनी सास नाओमी को दी है। मैं जानता हूँ कि तुमने उसकी सहायता तब भी की थी जब तुम्हारा पति मर गया था और मैं जानता हूँ कि तुम अपने माता-पिता और अपने देश को छोड़कर इस देश में यहाँ आई हो। तुम इस देश के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानती, फिर भी तुम यहाँ नाओमी के साथ आई। 12 यहाँवा तुम्हें उन सभी अच्छे कामों के लिये फल देगा जो तुमने किये हैं। तुम्हें इज़्राएल का परमेश्वर, यहाँवा भरपूर करेगा। तुम उसके पास सुरक्षा के लिये आई हो और वह तुम्हारी रक्षा करेगा।”

13 तब रूत ने कहा, “आप मुझ पर बड़े दयालु हैं, महोदय। मैं तो केवल एक दासी हूँ। मैं आपके सेवकों में से भी किसी के बराबर नहीं हूँ किन्तु आपने मुझसे दयापूर्ण बातें की हैं और मुझे सान्त्वना दी है।”

14 दोपहर के भोजन के समय, बोअज़ ने रूत से कहा, “यहाँ आओ! हमारी रोटियों में से कुछ खाओ। इधर हमारे सिरके में अपनी रोटी डुबाओ।”

इस प्रकार रूत मजदूरों के साथ बैठ गई। बोअज़ ने उसे ढेर सारा भुना अनाज दिया। रूत ने भरपेट खाया और कुछ भोजन बच भी गया। 15 तब रूत उठी और काम करने लौट गई। तब बोअज़ ने अपने सेवकों से कहा, “रूत को अन्न की ढेरी के पास भी अन्न इकट्ठा करने दो। उसे रोको मत। 16 उसके काम को, उसके लिये कुछ दाने से भरी बालें गिराकर, हलका करो। उसे उस अन्न को इकट्ठा करने दो। उसे रूकने के लिये मत कहो।”

### नाओमी बोअज़ के बारे में सुनती है

17 रूत ने सन्ध्या तक खेत में काम किया। तब उसने भूसे अन्न को अलग किया। लगभग आधा बुशल जौ निकला। 18 रूत उस अन्न को अपनी सास को यह दिखाने के लिये ले गई कि उसने कितना अन्न इकट्ठा किया है। उसने उसे वह भोजन भी दिया जो दोपहर के भोजन में से बच गया था। 19 उसकी सास ने उससे पूछा,

“यह अन्न तुमने कहाँ से इकट्ठा किया है? तुमने कहाँ काम किया? उस व्यक्ति को यहोवा का आशीर्वाद मिले, जिसने तुम पर ध्यान दिया।” तब रूत ने उसे बताया कि उसने किसके साथ काम किया था। उसने कहा, “जिस व्यक्ति के साथ मैंने काम किया था, उसका नाम बोअज़ है।” नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, “यहोवा उसे आशीर्वाद दे। यहोवा सभी पर दया करता रहता है चाहे वे जीवित हों या मृत हों।” 20तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु से कहा, “बोअज़ हमारे सम्बन्धियों में से एक है। बोअज़ हमारे संरक्षकों में से एक है।” 21तब रूत ने कहा, “बोअज़ ने मुझे वापस आने और काम करने को भी कहा है। बोअज़ ने कहा है कि मैं सेवकों के साथ तब तक काम करती रहूँ जब तक फसल की कटाई पूरी नहीं हो जाती।”

22तब नाओमी ने अपनी पुत्रवधु रूत से कहा, “यह अच्छा है कि तुम उसकी दासियों के साथ काम करती रहो। यदि तुम किसी अन्य के खेत में काम करोगी तो कोई व्यक्ति तुम्हें कोई नुकसान पहुँचा सकता है।” 23अतः रूत बोअज़ की दासियों के साथ काम करती रही। उसने तब तक अन्न इकट्ठा किया जब तक फसल की कटाई पूरी नहीं हुई। उसने वहाँ गेहूँ की कटाई के अन्त तक भी काम किया। रूत अपनी सास, नाओमी के साथ रहती रही।

### खलिहान

3तब रूत की सास, नाओमी ने उससे कहा, “मेरी पुत्री, संभव है कि मैं तेरे लिए एक अच्छा घर पा सकूँ। यह तेरे लिये अच्छा होगा। 2बोअज़ उपयुक्त व्यक्ति हो सकता है। बोअज़ हमारा निकट का सम्बन्धी है। तुमने उसकी दासियों के साथ काम किया है। आज रात वह खलिहान में काम कर रहा होगा। 3जाओ, नहाओ और अच्छे वस्त्र पहनो। सुगन्ध द्रव्य लगाओ और खलिहान में जाओ। किन्तु बोअज़ के सामने तब तक न पड़ो जब तक वह रात्रि का भोजन न कर ले। 4भोजन करने के बाद, वह आराम करने के लिये लेटेगा। देखती रहो जिससे तुम यह जान सको कि वह कहाँ लेटा है। वहाँ जाओ और उसके पैर के वस्त्र उघाड़ो।\* तब बोअज़ के साथ सोओ। वह बताएगा कि तुम्हें विवाह के लिये क्या करना होगा।

5तब रूत ने उत्तर दिया, “आप जो करने को कहती हैं, मैं करूँगी।”

6इसलिये रूत खलिहान में गई। रूत ने वह सब किया जो उसकी सास ने उससे करने को कहा था। 7खाने

पैर के वस्त्र उघाड़ो “उसके पैर को वस्त्रहीन करो।” हिब्रू भाषा में ‘पैर’ शब्द का अर्थ यौन अंग भी होता है। इससे यह पता चलता था कि रूत उस व्यक्ति से अपना रक्षक और मुक्तिदाता होने की याचना कर रही थी।

और पीने के बाद बोअज़ बहुत सन्तुष्ट था। बोअज़ अन्न के ढेर के पास लेटने गया। तब रूत बहुत धीरे से उसके पास गई और उसने उसके पैरों का वस्त्र उघाड़ दिया। रूत उसके पैरों के बगल में लेट गई। 8करीब आधी रात को, बोअज़ ने नींद में अपनी करवट बदली और वह जाग पड़ा। वह बहुत चकित हुआ। उसके पैरों के समीप एक स्त्री लेटी थी। 9बोअज़ ने पूछा, “तुम कौन हो?”

उसने कहा, “मैं तुम्हारी दासी रूत हूँ। अपनी चादर मेरे ऊपर ओढ़ा दो।\* तुम मेरे रक्षक हो।”

10तब बोअज़ ने कहा, “युवती, यहोवा तुम्हें आशीर्वाद दे। तुमने मुझ पर विशेष कृपा की है। तुम्हारी यह कृपा मेरे प्रति उससे भी अधिक है जो तुमने आरम्भ में नाओमी के प्रति दिखाई थी। तुम विवाह के लिये किसी भी धनी या गरीब युवक की खोज कर सकती थी। किन्तु तुमने वैसा नहीं किया। 11युवती, अब डरो नहीं। मैं वह करूँगा जो तुम चाहती हो। मेरे नगर के सभी लोग जानते हैं कि तुम एक अच्छी स्त्री हो। 12और यह सत्य है, कि मैं तुम्हारे परिवार का निकट सम्बन्धी हूँ। किन्तु एक अन्य व्यक्ति है जो तुम्हारे परिवार का मुझसे भी अधिक निकट का सम्बन्धी है। 13आज की रात यहीं ठहरो। प्रातः काल हम पता लगायेंगे कि क्या वह तुम्हारी सहायता करेगा। यदि वह तुम्हें सहायता देने का निर्णय लेता है तो बहुत अच्छा होगा। यदि वह तुम्हारी सहायता करने से इन्कार करता है तो यहोवा के अस्तित्व को साक्षी करके, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं तुमसे विवाह करूँगा और एलीमेलेक की भूमि को तुम्हारे लिये खरीद कर लौटाऊँगा। इसलिए सुबह तक यहीं लेटी रहो।”

14इसलिये रूत बोअज़ के पैर के पास सवरे तक लेटी रही। वह अंधेरा रहते ही उठी, इससे पहले की इतना प्रकाश हो कि लोग एक दूसरे को पहचान सकें।

बोअज़ ने उससे कहा, “हम इसे गुप्त रखेंगे कि तुम पिछली रात मेरे पास आई थी।” 15तब बोअज़ ने कहा, “अपनी ओढ़नी मेरे पास लाओ। अब, इसे खुला रखो।”

इसलिए रूत ने अपनी ओढ़नी को खुला रखा, और बोअज़ ने लगभग एक बुशल जू उसकी सास नाओमी को उपहार में दिया। तब बोअज़ ने उसे रूत की ओढ़नी में बाँध दिया और उसे उसकी पीठ पर रख दिया। तब वह नगर को गया।

16रूत अपनी सास, नाओमी के घर गई। नाओमी द्वार पर आई और उसने पूछा, “बाहर कौन है?” रूत घर के भीतर गई और उसने नाओमी को हर बात जो

चादर ओढ़ा दो “अपने पंखों को मेरे ऊपर फैलाओ।” यह इस बात का सूचक है कि रूत सहायता और रक्षा चाहती थी। तुम मेरे रक्षक हो। देखें रूत 2:12

बोअज़ ने की थी, बतायी। 17उसने कहा, “बोअज़ ने यह जौ उपहार के रूप में तुम्हें दिया है। बोअज़ ने कहा कि आपके लिए उपहार लिये बिना, मुझे घर नहीं जाना चाहिए।”

18नाओमी ने कहा, “पुत्री, तब तक धैर्य रखो जब तक हम यह सुनें कि क्या हुआ। बोअज़ तब तक विश्राम नहीं करेगा जब तक वह उसे नहीं कर लेता जो उसे करना चाहिए। हम लोगों को दिन बीतने के पहले मालूम हो जायेगा कि क्या होगा।”

### बोअज़ तथा अन्य सम्बन्धी

4 बोअज़ उस स्थान पर गया जहाँ नगर द्वार पर लोग इकट्ठे होते हैं। बोअज़ तब तक वहाँ बैठा जब तक वह निकट सम्बन्धी वहाँ से नहीं गुज़रा जिसका जिन्न बोअज़ ने रूत से किया था। बोअज़ ने उसे बुलाया, “मित्र, आओ! यहाँ बैठो!”

2तब बोअज़ ने वहाँ गवाहों को इकट्ठा किया। बोअज़ ने नगर के दस अग्रजों (बुजुर्गों) को एकत्र किया। उसने कहा, “यहाँ बैठो!” इसलिये वे वहाँ बैठ गए। तब बोअज़ ने उस निकट सम्बन्धी से बातें कीं। उसने कहा, “नाओमी मोआब के पहाड़ी प्रदेश से लौट आई है। वह उस भूमि को बेच रही है जो हमारे सम्बन्धी एलीमेलेक की है। 4मैंने तय किया है कि मैं इस विषय में यहाँ रहने वाले लोगों और अपने लोगों के अग्रजों के सामने तुमसे कहूँ। यदि तुम भूमि को खरीदकर वापस लेना चाहते हो तो खरीद लो! यदि तुम भूमि को ऋणमुक्त करना नहीं चाहते तो मुझे बताओ। मैं जानता हूँ कि तुम्हारे बाद वह व्यक्ति मैं ही हूँ जो भूमि को ऋणमुक्त कर सकता है। यदि तुम भूमि को वापस नहीं खरीदते हो, तो मैं खरीदूँगा।”

5तब बोअज़ ने कहा, “यदि तुम भूमि नाओमी से खरीदोगे तो तुम्हें मृतक की पत्नी, मोआबी स्त्री रूत भी मिलेगी। जब रूत को बच्चा होगा तो वह भूमि उस बच्चे की होगी। इस प्रकार भूमि मृतक के परिवार में ही रहेगी।”

6निकट सम्बन्धी ने उत्तर दिया, “मैं भूमि को वापस खरीद नहीं सकता। यद्यपि यह भूमि मेरी होनी चाहिए थी किन्तु मैं इसे खरीद नहीं सकता। यदि मैं ऐसा करता हूँ, तो मुझे अपनी सम्पत्ति से हाथ धोना पड़ सकता है। इसलिए तुम उस भूमि को खरीद सकते हो।” 7इब्राएल में बहुत समय पहले जब कोई व्यक्ति किसी सम्पत्ति को खरीदता या ऋणमुक्त करता था, तो एक व्यक्ति अपने जूते को उतारता था, और दूसरे व्यक्ति को दे देता था। यह उनके खरीदने का प्रमाण था। 8उस निकट सम्बन्धी ने कहा, “भूमि खरीद लो।” तब उस निकट सम्बन्धी ने अपने एक जूते को उतारा और इसे बोअज़ को दे दिया।

9तब बोअज़ ने अग्रजों और सभी लोगों से कहा, “आज आप लोग मेरे गवाह हैं कि मैं नाओमी से वे सभी चीज़ें खरीद रहा हूँ जो एलीमेलेक, किल्योन और महलोन की हैं। 10मैं रूत को भी अपनी पत्नी बनाने के लिये खरीद रहा हूँ। मैं यह इसलिए कर रहा हूँ कि मृतक की सम्पत्ति उसके परिवार के पास ही रहेगी। इस प्रकार मृतक का नाम उसके परिवार और उसकी भूमि से नहीं हटाय जायेगा। आप लोग आज इसके गवाह हैं।”

11इस प्रकार सभी लोग और अग्रज जो नगर द्वार के समीप थे, गवाह हुए। उन्होंने कहा:

यह स्त्री जो तुम्हारे घर जाएगी, यहोवा उसे राहेल और लिआ जैसी करे जिसने इब्राएल वंश को बनाया। हम प्रार्थना करते हैं—तुम एप्राता में शक्तिशाली होओ! तुम बेतलेहेम में प्रसिद्ध होओ!

12जैसे तामार ने यहूदा के पुत्र पेरस को जन्म दिया और उसका परिवार महान बना। उसी तरह यहोवा तुम्हें भी रूत से कई पुत्र दे और तुम्हारा परिवार भी उसकी तरह महान हो।

13इस प्रकार बोअज़ ने रूत से विवाह किया। यहोवा ने रूत को गर्भवती होने दिया और रूत ने एक पुत्र को जन्म दिया। 14नगर की स्त्रियों ने नाओमी से कहा,

उस यहोवा का आभार मानो जिसने तुम्हें ऐसा पुत्र दिया। यहोवा करे वह, इब्राएल में प्रसिद्ध हो।

15वह तुम्हें फिर देगा एक जीवन! और बुढ़ापे में तुम्हारा वह रखेगा ध्यान। तुम्हारी बहू के कारण घटना घटी है यह गर्भ में धारण किया उसने यह बच्चा तुम्हारे लिए। प्यार वह करती है तुमसे और वह उत्तम है तुम्हारे लिए सात बेटों से अधिक।”

16नाओमी ने लड़के को लिया, उसे अपनी बाहों में उठा लिया, तथा उसका पालन-पोषण किया। 17पड़ोसियों ने बच्चे का नाम रखा। उन स्त्रियों ने कहा, “अब नाओमी के पास एक पुत्र है!” पड़ोसियों ने उसका नाम ओबेद रखा। ओबेद यिश्शै का पिता था और यिश्शै, राजा दाऊद का पिता था।

### रूत और बोअज़ का परिवार

18पेरस के परिवार की वंशावली यह है:

हिघ्रोन का पिता पेरस था।

19 एराम का पिता हिघ्रोन था।

अम्मीनादाब का पिता एराम था।

20 नहशोन का पिता अम्मीनादाब था।

सल्मोन का पिता नहशोन था।

21 बोअज़ का पिता सल्मोन था।

ओबेद का पिता बोअज़ था।

22 यिश्शै का पिता ओबेद था।

दाऊद का पिता यिश्शै था।

*Bible League International and its Global Partners provide Scriptures for millions of people who still do not have the life-giving hope found in God's Word. Every purchase of an Easy-to-Read Translation™ enables the printing of a Bible for a person who needs God's Word somewhere in the world. To provide even more Scriptures for more people, please make a donation at [www.bibleleague.org/donate](http://www.bibleleague.org/donate) or contact us at Bible League International, 1 Bible League Plaza, Crete, IL 60417, USA. Bible League International exists to develop and provide Easy-to-Read Bible translations and Scripture resources for churches and partners as they help people meet Jesus.*

### **Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™)**

© 1995 Bible League International

Maps, Illustrations © Bible League International

Additional materials © Bible League International

All rights reserved.

This copyrighted material may be quoted up to 1000 verses without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. This copyright notice must appear on the title or copyright page:

Taken from the Hindi Holy Bible: Easy-to-Read Version™ (ERV™) © 1995 Bible League International and used by permission.

When quotations from the ERV are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials (ERV) must appear at the end of each quotation. Requests for permission to use quotations or reprints in excess of 1000 verses or more than 50% of the work in which they are quoted, or other permission requests, must be directed to and approved in writing by Bible League International.



Bible League International

1 Bible League Plaza

Crete, IL 60417, USA

Phone: 866-825-4636

Email: [permissions@bibleleague.org](mailto:permissions@bibleleague.org)

Web: [www.bibleleague.org](http://www.bibleleague.org)

B-HIN-89800: ISBN: 978-1-935189-80-0

B-HIN-89992: ISBN: 978-1-935189-99-2

B-HIN-07536: ISBN: 978-1-61870-753-6

B-HIN-61738-POD: ISBN: 978-1-62826-173-8

**Free downloads: [www.bibleleague.org/downloads](http://www.bibleleague.org/downloads)**

